newsjankalyanseva@gmail.com

साप्ताहिक

जनकल्याण सेवा

ठाणे | वर्ष - २३ | अंक - ८ | ११ से १७ मार्च २०२४ | पृष्ठ - ४ | कीमत : २ रु. | Postal Reg. No. PLG/08/2022-2024

संपादकीय

संपादक सीमा गुप्ता

गले की हड्डी

लोकतंत्र में राजनीतिक दलों से पारदर्शिता की अपेक्षा की जाती है। अगर वे चंदा जुटा कर अपनी ताकत का प्रदर्शन और अनाप–शनाप खर्च की होड़ शुरू कर दें तो इसे मतदाताओं के साथ गंभीर धोखा ही कहा जाएगा। चुनावी चंदे का विवाद राजनीतिक दलों के लिए गले की हड्डी बनता जा रहा है। भले वे पार्टियां इसे बढ़–चढ़ कर राजनीतिक रंग देने की कोशिश में जुटी हैं, जिन्हें कम चंदा मिला है, मगर पारदर्शिता उनके यहां भी नहीं है। चाहे वे राष्ट्रीय दल हों या क्षेत्रीय, सबने अज्ञात स्रोतों से चंदा हासिल किया है। एसोसिएशन फार डेमोक्रेटिक रिफार्म यानी एडीआर नामक संगठन ने अपने अध्ययन में खुलासा किया है कि राजनीतिक दलों को मिले कुल चंदे के बयासी फीसद हिस्से के बारे में कोई जानकारी नहीं है। वह चुनावी बांड से प्राप्त हुआ धन है। चुनावी बांड का प्रावधान इसलिए किया गया था कि चंदे के रूप में काले धन का प्रवाह रोका जा सके। मगर वह तरीका कारगर साबित नहीं हुआ। इसे लेकर विवाद तब और बढ़ गया, जब देखा गया कि सत्तापक्ष और विपक्ष के सारे दलों को मिले चंदे की राशि में बहुत अंतर है। कुल चंदे का करीब आधा हिस्सा अकेले सत्तापक्ष को मिला और बाकी में सारे दलों का हिस्सा है। विचित्र बात यह कि एक करोड़ की राशि वाले चंदों की संख्या अधिक थी और छोटी राशि के चंदे बहुत कम आए। मगर चुनावी बांड के नियमों के मुताबिक चूंकि चंदा देने वालों के नाम उजागर नहीं किए जा सकते, इसलिए उनके स्रोत अज्ञात ही बने रहे। इसलिए सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि लोकतंत्र में मतदाता को यह जानने का अधिकार है कि किस पार्टी को कितना और कहां–कहां से चंदा मिला। हालांकि पिछले महीने सर्वोच्च न्यायालय ने चुनावी बांड को असंवैधानिक करार देते हुए उस पर रोक लगा दी और भारतीय स्टेट बैंक से तीन हफ्ते के भीतर वे सारे नाम निर्वाचन आयोग को सौंपने को कहा, जिन्होंने पिछले पांच वर्षों में राजनीतिक दलों को चंदे दिए हैं। मगर स्टेट बैंक ने सर्वोच्च न्यायालय में समय सीमा बढ़ा कर जून तक करने की फरियाद लगा दी। इसे लेकर स्वाभाविक ही एक नए तरह का विवाद शुरू हो गया। अब सर्वोच्च न्यायालय में गुहार लगाई गई है कि स्टेट बैंक की इस नाफरमानी पर अवमानना की कार्रवाई हो। देखने की बात है कि अदालत इस पर क्या रुख लेती है। मगर एडीआर के अध्ययन से एक बार फिर यही जाहिर हुआ है कि चुनावी बांड का प्रावधान इसी मंशा से किया गया था कि राजनीतिक दल मनमाने तरीके से चंदा जुटा सकें और उसके बारे में लोगों को जानकारी भी न मिलने पाए। लोकतंत्र में राजनीतिक दलों से पारदर्शिता की अपेक्षा की जाती है। अगर वे चंदा जुटा कर अपनी ताकत का प्रदर्शन और अनाप–शनाप खर्च की होड़ शुरू कर दें तो इसे मतदाताओं के साथ गंभीर धोखा ही कहा जाएगा। मतदाता को पूरा हक है कि जिस दल के पक्ष में वह मतदान करता है, उसके बारे में हर जानकारी प्राप्त करे। उसके आय–व्यय का हिसाब भी उसे पता हो। फिर जो कंपनियां राजनीतिक दलों को चंदा देती हैं, उन्हें भी ओट में न रखा जाए, क्योंकि बहुत सारे लोगों के शेयर उन कंपनियों में लगे होते हैं। इस तरह उन्हें जानने का हक है कि जिस कंपनी के साथ वे जुड़े हैं, वह कहीं उनका पैसा किसी गलत जगह तो नहीं लगा रही। आयकर विभाग राजनीतिक दलों के चंदे का भी हिसाब रखता है, मगर चुनावी बांड नियमों की वजह से वह भी अंधेरे में रह जाता है कि चंदे का स्रोत क्या है।

लोगो के वाहन चुरा कर जाली दस्तावेज बनाकर गाडियां बेचनेवाले जालसाज गिरफ्तार

जेकेएस संवाददाता

भायंदर: लोगो के वाहन चुरा कर जाली दस्तावेज के आधार पर लोगो को चुना लगाने के एक बडे. रैकेट का भंडाफोड. पुलिस आयुक्तालय की क्राइम ब्रांच काशीमीरा ने करके आरोपियों के पास से विविध प्रकार के चोरी किए गए ४७ वाहन बरामद किए है। जिसकी कीमत ७ करोड.३२ लाख ४१ हजार बताई जाती है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बोरीवली निवासी रमेश चौधरी की पार्क की गई हाइवा टिपर/ट्रक नंबर ष–/४७/ए/ ४९९५ और वसई के रामप्रकाश हरिराम यादव कि आयशर टेंपो नंबर एमएच/ ४८/ छए/ ३४५३ पार्क करते समय चोरी हो गया था। जिसपर पुलिस आयुक्त, अपर पुलिस आयुक्त एवं पुलिस उपायुक्त (अपराध) ने मीरा भायंदर वसई

विरार पुलिस आयुक्तालय में पिछले ३/४ वर्षो में वाहन चोरी से संबंधित अपराधों की जांच करने के आदेश दिए। जिस पर क्राइम ब्रांच परिमंडल १, काशीमीरा के सपोनि प्रशांत गांगुर्डे को मिले सुराग के अनुसार अजहर अकबर शेख (३५), समीर नासिर खान (४१), मोहम्मद शकील मोहम्मद शौकत शाह (४८), शेख नसीर शहजादा मिया (४३) वर्ष को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने जांच के दौरान पाया की आरोपी चोरी किए गए वाहनों के मूल इंजन चेसिस नंबर बदलकर फर्जी कागज पत्रों के आधार पर दोबारा रजिस्ट्रेशन कर लोगो को गाडियां भी बेच देते थे। पुलिस ने आरोपियों के पास से ७,३२,४१,०००/ कीमत के ४७ वाहन जब्त किए है। इस कार्रवाई को पुलिस आयुक्त मधुकर पांडे, एडिशनल पुलिस आयुक्त श्रीकांत पाठक, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, अविनाश अंबुरे, पुलिस उपायुक्त अपराध मदन बल्लाल के मार्गदर्शन में अपराध शाखा के अविराज कुराडे, कैलास टोकले, प्रशांत गांगुर्डे, पुष्पराज सुर्वे, सफी राजू तांबे, सफी संदीप शिंदे, अवीनाश गर्जे, संजय शिंदे, संतोष लांडगे, पुष्पेंद्र थापा, सचिन हुले, सचिन सावंत, विजय गायकवाड, समीर यादव, सुधीर खोत, विकास राजपूत, प्रशांत विस्पुते, सनी सूर्यवंशी, किरण असवले, सतोष चव्हाण, साइबर विभाग के संदीप शिंदे और संतोष लांडगे के परिश्रम के कारण बडे.रैकेट का भंडाफोड.हो सका। पुलिस इस मामले की आगे जांच कर रही हैं.

आरपीआई अध्यक्ष रामदास आठवले ने योग्य महिलाओं को ई रिक्शा का किया वितरण

जेकेएस संवाददाता

मुंबई: अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर, केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री, रामदास अठावले ने योग्य महिलाओं को ई–रिक्शा वितरित करके महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए समर्थन का उदाहरण दिया। यह पहल न केवल लैंगिक समानता के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है बल्कि महिलाओं की वित्तीय स्वतंत्रता और गतिशीलता को भी बढावा देती है। इन ई–रिक्शा को प्रदान करके, सरकार का लक्ष्य महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है, जिससे वे अपने समुदायों के भीतर उद्यमिता को बढावा देते हुए कार्यबल में सक्रिय रूप से भाग लेने में सक्षम हो सकें। ऐसी पहल बाधाओं को तोडऩे और अधिक समावेशी समाज बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं जहां महिलाएं आगे बढ. सकें और अर्थव्यवस्था में सार्थक योगदान दे सकें। कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय भारी उद्योग मंत्रालय और सडक़ परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा समर्थित है, भारत सरकार ने दोहरी रणनीतिक साझेदारी बनाई है और महाराष्ट्र सरकार का सामाजिक न्याय विभाग। इस साझेदारी का लक्ष्य सामाजिक न्याय के लिए पीएम ईवी २ सोलर प्रोजेक्ट के हिस्से के रूप में भारत भर में लगभग ५०,००० महिलाओं को

प्रशिक्षण प्रदान करना है। महिलाओं की कार रैली को हरी झंडी दिखाते हुए, मंत्री अठावले ने कहा की धऐसे वाहन भारत सरकार और महाराष्ट्र सरकार की योजनाओं के माध्यम से सामाजिक रूप से वंचित महिलाओं को वितरित किए जाएंगे, जिससे उन्हें गतिशीलता और आर्थिक अवसरों के साथ सशक्त बनाया जाएगा। जैसा कि हम सोलर २ईवी यात्रा पर निकल रहे हैं, हम एक ऐसे भविष्य की कल्पना करते हैं जहां नवाचार और अवसर हाशिये पर पडे.लोगों के उत्थान के लिए एक साथ आते हैं। यह पहल समावेशी विकास और सतत विकास को बढावा देने, पूरे महाराष्ट्र और उसके बाहर समुदायों को सशक्त बनाने के लिए हमारी अटूट प्रतिबद्धता को दशार्ती है. ऐसा केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने कहा। सोलर २ईवी पहल के लिए आवश्यक वंचित युवाओं और महिलाओं के लिए एक परिवर्तनकारी मार्ग प्रदान करने की प्रतिबद्धता है। इस अभिनव कार्यक्रम के माध्यम से, हाशिए पर रहने वाले समाज के सदस्यों को तीन साल की समय सीमा के भीतर स्वामित्व के अंतिम लक्ष्य के साथ, इलेक्ट्रिक ऑटो पट्टे पर लेने का अवसर मिलेगा। इस दूरदर्शी दृष्टिकोण का लक्ष्य न केवल गतिशील ईवी और सौर अर्थव्यवस्था के भीतर ५०,००० नई नौकरियां पैदा करना है, बल्कि निरंतर आर्थिक विकास को चलाने और सामाजिक गतिशीलता को बढावा देने के लिए एक शक्तिशाली इंजन के रूप में भी काम करता है। सोलर २ईवी पहल सशक्तिकरण और समावेशिता की दिशा में एक महत्वपूर्ण छलांग का प्रतीक है, जो समाज के कम विशेषाधिकार प्राप्त क्षेत्रों को ऊपर उठाने के लिए भारत सरकार और महाराष्ट्र सरकार दोनों की अटूट प्रतिबद्धता को उजागर करती है।

होटल के रास्त दिवार खडी करने के मुद्दे को लेकर शेट्टी ने लगाया सरनाईक पर आरोप, भाजपा ने खोला मोर्चा

जेकेएस संवाददाता

भायंदर: राज्य की सत्ता में एक साथ रहते हुए भी शिवसेना (शिंदे) के विधायक प्रताप सरनाईक और स्थानीय भाजपा में जंग छिड.गई है. गुरुवार को भाजपा के पूर्व विधायक नरेंद्र मेहता और जिलाध्यक्ष किशोर शर्मा के नेतृत्व में भाजपा के पूर्व नगरसेवक अरविंद शेट्टी के समर्थन में विधायक सरनाईक के खिलाफ झंकार फैक्ट्री के पास से काशीमीरा पुलिस थाने तक अन्याय के खिलाफ धडक़ मोर्चा निकाला गया. इस मोर्चे में बडी संख्या में भाजपा के पूर्व नगरसेवक, नगरसेविका और पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल हुए थे. धडक़ मोर्चा के माध्यम से स्थानीय भाजपा पूरी तरह से सरनाईक के खिलाफ लामबंद दिखे. दरअसल भाजपा के पूर्व नगरसेवक अरविंद शेट्टी होटल व्यवसाई भी हैं. हाल ही में उनका एक वीडियो सोशल मीडिया में

बडी तेजी से वायरल हुआ था. जिसमें उन्होंने विधायक सरनाईक पर संगीन आरोप लगाए थे. शेट्टी ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से भी सरनाईक से बचाने की गुहार लगाई थी और चेना स्थित अपने एक होटल के बाहर विकास कार्य के बहाने आरसीसी की दीवार खडी कर होटल में आने जाने का रास्ता अवरुद्ध करने का आरोप लगाया था.

हालांकि सरनाईक ने उक्त विकास कार्य एमएमआरडीए और मीरा–भायंदर मनपा द्वारा किए जाने तथा उससे किसी होटल का मार्ग अवरूद्ध होने से उनका कोई लेना देना नहीं बता कर मामले से हाथ झटक लिया था. इस पूरे प्रकरण ने तूल तब पकड.लिया जब शेट्टी के खिलाफ काशीमीरा पुलिस थाने में सरकारी कार्य में बाधा डालने सहित विभिन्न धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज करा दिया गया. शेट्टी पर एफआईआर दर्ज होते ही उनके समर्थन में भाजपा एकजुट हो गई. धडक़ मोर्चा के साथ भाजपा पदाधिकारियों ने काशीमीरा पुलिस थाने का घेराव कर प्रदर्शन और बाहर बैठकर हनुमान चालीसा का पाठ भी किया.

अन्याय के खिलाफ धडक़ मोर्चा का नेतृत्व कर रहे विधायक मेहता की मांग थी कि बिना शेट्टी के कागज पत्रों की जांच किए एफआईआर दर्ज करने वाले अधिकारी के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज की जाए. उसके बाद दोनों की जांच की जाए.

अगर शेट्टी ने कुछ गलत किया है तो जांच करके योग्य कारवाई करें, लेकिन पहले इस प्रकरण के जांच अधिकारी के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज की जाए.इस अवसर पर मेहता मनपा के आयुक्त और अधिकारियों पर भी जमकर भडास निकाली और कहा की जनता त्रस्त है और मनपा प्रशासन, अधिकारी मस्त है.

हालांकि ठेकेदार भावेश शाह, निहार प्रधान, एमएमआरडीए के कर्मचारी प्रशांत वाकोडकर के खिलाफ भाजपा के पूर्व नगरसेवक अरविंद शेट्टी की शिकायत पर भादवि की धारा ४४७, ५०४, ५०६,३४ के तहत काशीमीरा पुलिस थाने में एफआईआर दर्ज की गई है.

सनटेक बिल्डर अतुल शाह पर जालसाजी का लगा आरोप

जेकेएस संवाददाता

भाईंदर: शिवसेना विधायक प्रताप सरनाईक ने मेसर्स सनटेक और उसके संचालक अतुल शाह पर मीरा–भाईंदर मनपा के साथ ठगी का आरोप लगाया है। सरनाईक ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि अतुल मेसर्स सनटेक ने प्रस्तावित ५०० बेड के अस्पताल का निर्माण किए बिना अपनी इमारत के लिए बुकिंग लेना शुरू कर दिया है, जो ठगी का मामला है। सरनाईक ने इस मामले में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है और उन्होंने मनपा आयुक्त संजय काटकर से बिल्डर पर एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। मीरा रोड में कनकिया रोड पर १०,००० वर्गमीटर जमीन है। इस पर अस्पताल का आरक्षण है। नियमों के तहत यह जमीन सनटेक लाइफस्पेस प्रा.लि. को दी गई थी। यहां ४० फीसदी हिस्से पर ५०० बेड का अस्पताल बनाना था, जिसका भूमिपूजन सीएम एकनाथ शिंदे ने किया था। आरोप है कि कंपनी ने अस्पताल से पहले इमारतों का निर्माण शुरू कर दिया है। सरनाईक का आरोप है कि सीसी रद्द होने के बाद भी फ्लैट बुकिंग की जा रही थी, जिससे ग्राहकों के ३०० करोड.रुपये फंस गए हैं। इस संबंध में मनपा आयुक्त और कंपनी के निर्मल याग्निक से बात करने की कोशिश की गई, लेकिन दोनों ने ही फोन नहीं उठाया।

सहायक निरीक्षक तेजश्री शिंदे की कार्यकुशलता से अपराधों पर लग रहा है अंकुश

जेकेएस संवाददाता

मीरारोड : सहायक निरीक्षक तेजश्री शिंदे से मिलें, जो १ अक्टूबर, २०२१ को अपनी स्थापना के बाद से मीरा भायंदर– वसई विरार पुलिस से जुडे.भरोसा (ट्रस्ट) सेल के शीर्ष पर हैं। संकट में लोगों (एमबीवीवी) की सहायता वाली बहु–नोडल करने इकाई सेल में २० सदस्यीय पैनल शामिल है जिसमें कानूनी सलाहकार, परामर्शदाता, गैर सरकारी संगठनों के सदस्य, महिला पुलिसकर्मी, डॉक्टर और यहां तक कि मनोवैज्ञानिक भी शामिल हैं जो स्वेच्छा से अपनी सेवाएं प्रदान करते हैं। उसके भायंदर स्टेशन पर एक सेल ने दो वर्षों में ६१% की स्ट्राइक रेट के साथ १,८४१ विवादों में से १,१११ का सफलतापूर्वक समाधान किया है। शिंदे को बाल दुर्व्यवहार और बच्चों के खिलाफ अपराधों के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए महत्वपूर्ण प्रतिबद्धता

और समर्पण प्रदर्शित करने के लिए नवंबर २०२३ में बाल स्नेही पुरस्कार भी मिला। 'बाल स्नेही पुरस्कार की स्थापना महा– द्वारा की गई है। राष्ट्र राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने यूनिसेफ शिंदे के सहयोग से पुलिस की गई एक अनूठी द्वारा शुरू की पहल कायद्याचे धाडे (कानून पर पाठ) में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसने ४५ शैक्षणिक संस्थानों में ७५ से अधिक इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किए। प्रतिष्टानों ने लगभग २५,००० बच्चों को बच्चों के खिलाफ अपराधों और रोकथाम के तरीकों के बारे में कानूनी ज्ञान प्रदान किया। नागरिक हितैषी पहल की सफलता के बारे में उन्होंने अपने वरिष्टों को बताया, जिन्होंने अवसर दिया और अधीनस्थों को उनके समर्पित समर्थन का मौका दिया। भरोसा सेल में मामलों को सुलझाने और बाल स्नेही पुरस्कार हासिल करने के अलावा, शिंदे और उनकी टीम ने घरेलू हिंसा और शोषण के पीडितों को अफ्रीका, दुबई और कुवैत में उनके उत्पीडक़ों के चंगुल से बचाने और उन्हें फिर से एकजुट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अपने उन परिवारों से, जो पहले ही ध मिलने की उम्मीद खो चुके थे

कचरे और मच्छरों से कब मिलेगी निजात? मनपा की डीप क्लीनिंग ड्राइव डूबी! मुलुंड इलाके के कई नालों में जमा है गंदगी

मुंबई : देश की सबसे धनी महानगरपालिका मुंबई मनपा के पास पैसों की कोई कमी नहीं है। एक छोटे देश के जितना मुंबई मनपा का बजट है, इसके बावजूद मुंबईकरों को कचरे और मच्छरों से निजात नहीं मिल पा रही है। २ डीप क्लीनिंग ड्राइव को मनपा खुद डुबा रही है। अगर बात करें मुंबई के मुलुंड इलाके की तो, यहां की स्थिति और भी बदतर है। यहां के कई नालों में कूड़े-कचरे के ढेर जमा हैं, जिससे एक ही जगह पर गंदा पानी जमा हो जाता है, और मच्छर पैदा होते हैं। मुलुंड के कई क्षेत्रों में मच्छरों का प्रकोप है। मच्छरों के काटने से लोग डेंगू और मलेरिया जैसी जानलेवा बीमारियों के शिकार हो रहे हैं। इसके बावजूद मनपा केवल दिखावे का काम कर रही है। मुलुंड-पश्चिम में जावेर और एस.एल रोड के किनारे साफ सफाई नहीं होने से खुले नाले में कूड़े-कचरे का ढेर जमा हुआ है, जिसकी वजह से पानी रुका हुआ है। स्थानीय लोग मच्छरजनित रोगों के पैंलने की आशंका से चिंतित हैं। इस इलाके में स्थित नालों में कचरा जमा होने की वजह से पानी आगे नहीं

जा पाता, जिसकी वजह से पानी रुक जाता है और मच्छरों का प्रजनन तेजी से होता है। इससे मच्छरों के प्रकोप के साथ-साथ बदबू भी पैंलती है। इसका सीधा असर स्थानीय लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ता है। मनपा जहां एक तरफ साफ-सफाई के लिए इन दिनों २ डीप क्लीनिंग ड्राइव तो दूसरी तरफ डेंगू और मलेरिया की रोकथाम के लिए जन जागरूकता अभियान चला रही है। लेकिन नागरिकों से पहले मनपा को जागरूक होने की जरूरत है। एक स्थानीय निवासी ने मनपा के कामों की पोल खोलते हुए कहा कि यह केवल एक नाली की ही नहीं बल्कि मुलुंड-पश्चिम की कई नालियों और नालों की यही हालत है। मनपा मच्छरों के प्रकोप को खत्म करने के लिए जगह-जगह फॉगिंग करवा रही है, जबकि जमा कचरे से नाले-नालियां बजबजा रही हैं। इस संबंध में वो किसी भी प्रकार की कार्रवाई करने को तैयार नहीं हैं।

मीरा भाईंदर महानगरपालिका में अखबार को लेकर पत्रकारों में आक्रोश

जेकेएस संवाददाता

भाईंदर : मीरा-भाईंदर महानगरपालिका के अधिकारियों की अजब गजब की नितिया देखने को मिलती है। महानगरपालिका के कुछ गिने-चुने कार्यालय में कुछ गिने-चुने अखबारों को मंगाना और जो नियमित रूप से आने वाले अखबारों को बंद करने का फरमान उपयुक्त रवि पवार के आदेश सें पारित किया गया था। उपयुक्त के आदेश के बाद मुख्यालय के तल मंजिलापर स्थित पत्रकार कक्ष सहित कई विभागों में चुनिंदा ३ अखबारों को छोड.बाकी अखबारों को मंगाना बंद करने का आदेश मनपा स्थापना अधीक्षक सुनील यादव के हस्ताक्षर से २९ फरवरी को जारी हुआ था। इस आदेश का विरोध होने लगा में १ मार्च से पत्रकार कक्ष, शिक्षा अधिकारी कार्यालय, लेखा विभाग, अपर आयुक्त डॉ. संभाजी पानपट्टे का कार्यालय में सभी अखबार मंगाना बंद करवाया गया था और आयुक्त निवास तथा उपायुक्त रवि पवार के कार्यालय में चुनिंदा तीन अखबार मंगाने का आदेशित किया गया था. मनपा के इस बेतुके फरमान का सभी पत्रकारों ने विरोध किया. इसके बाद उपायुक्त रवि पवार ने सफाई देते हुए कहा कि पत्रकार कक्ष में अखबार बंद करने का निर्णय नहीं था।. अनावश्यक स्थानों पर मंगाए जा रहे अखबारों को बंद करना इसका उद्देश्य था। साथ ही पवार ने २९ फरवरी को ही अखबार आपूर्ति करने वाले मे. साईं भक्ति न्यूज पेपर एजेंसी को पूर्ववत अखबार आपूर्ति करने का सुधारित आदेश जारी किया गया हैं।

राज्य सरकार के संकल्प पर उठ रहे सवाल : अब भी मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं मुंबईकर!

जेकेएस संवाददाता

मुंबई : गत वर्ष दिसंबर महीने में खुद मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कामराज नगर का दौरा किया था और निवासियों को बड़े-बड़े सपने दिखाए थे। मुख्यमंत्री ने दावा किया था कि कामराज नगर के झोपड़पट्टी के सभी नागरिकों को सरकार मुफ्त में इमारत बनाकर फ्लैट देगी। लेकिन कामराज नगर की झोपड़पट्टी की जमीनी हकीकत कुछ और कहती है। देश की सरकार देशभर में भारी संख्या में शौचालय बनाने का दावा करती है, जबकि कामराज नगर में वॉर्ड नंबर १२५ में मयूर फोटो स्टूडियो के पीछे चार सार्वजनिक शौचालय हैं। कुल १० सीटर के ४ शौचालयों की संख्या ४० बताई जा रही है। इस शौचालय का इस्तेमाल वहां की झोपड़पट्टी की करीब २,००० लोग करते हैं। पिछले ६ महीने से इस शौचालय की दीवारें टूटी हैं और शौचालय के दरवाजे भी पूरी तरह से टूटे हुए पड़े हैं। शौचालय के अंदर बड़े-बड़े चूहों ने अपना डेरा बना लिया है। आलम यह है कि यह शौचालय बंद पड़ा हुआ है स्थानीय निवासियों ने मनपा में कई बार शिकायत की लेकिन शौचालय को बनवाने की दिशा में कोई भी कदम नहीं उठाया गया। जिसकी वजह से स्थानीय लोग पास की खाली पड़ी खाड़ी में शौच के लिए जाने को मजबूर हैं। मुंबई जैसी देश की आर्थिक राजधानी में झोपड़पट्टी की जनता को मूलभूत सुविधा भी न प्रदान करने वाली सरकार के विकसित भारत के संकल्प पर यह सवालिया निशान है। गौरतलब है कि मुंबई की सबसे पुरानी झुग्गियों

में से एक घाटकोपर-पूर्व ईस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे पर बसा हुआ रमाबाई अंबेडकर नगर के नागरिक शिंदे सरकार की लालफीताशाही का शिकार हो रहे हैं। जिसकी वजह से उनका जीवन नर्क से भी बदतर हो गया है। बता दें कि माता रमाबाई आंबेडकर नगर झोपड़पट्टी ७५ एकड़ में पैंली हुई है। इस झोपड़पट्टी को १९६० के दशक की शुरुआत में बनाया गया था। वर्तमान में रमाबाई आंबेडकर नगर में लगभग १६,५०० झुग्गीवासी हैं। रमाबाई आंबेडकर नगर घाटकोपर में दलित निवासियों की एक बड़ी आबादी है, जो १९६० के दशक से चली आ रही है।

सडक़ों पर पे एंड पार्क की वसूली अन्यायपुर्ण - एड रवि व्यास

जेकेएस संवाददाता

भायंदर। मीरा भायंदर विधानसभा चुनाव प्रमुख एड रवि व्यास ने महानगरपालिका द्वारा सार्वजनिक सडक़ों पर पे एंड पार्क के नाम पर की जा रही वसूली को तत्काल बंद करने की मांग को लेकर महापालिका आयुक्त को पत्र लिखा है। आयुक्त को लिखे पत्र में उन्होंने कहा है कि मीरा भायंदर शहर में लोग पार्किंग की समस्या को लेकर पहले से ही परेशान है। शहर के अनेक स्थानों पर सडक़ों के निर्माण का काम चल रहा है। गैस कंपनियों और महापालिका द्वारा अनेक स्थानों पर खुदाई के काम किए गए हैं। ऐसे में सडक़ों पर पे एंड पार्क के नाम पर की जा रही वसूली सरासर अन्याय पूर्ण है। सार्वजनिक सडक़ों पर पे एंड पार्क बनाने से ट्रैफिक की समस्या और विकराल हो गई है। उन्होंने आयुक्त से तत्काल इसे रद्द करने की मांग की है।

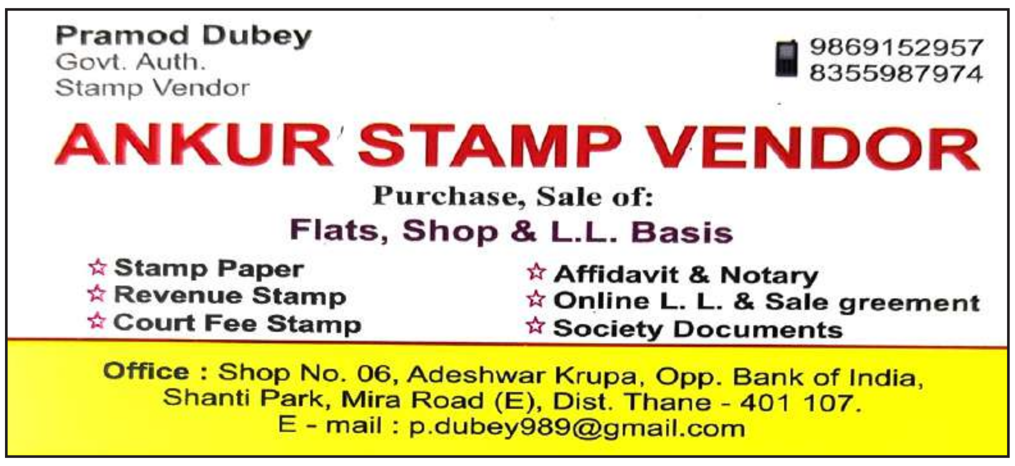

जमीन के बजाए आसमान में पॉड टैक्सी दौड़ने की योजना

मुंबई:– कुर्ला से बांद्रा के बीच की ट्रैफिक की समस्या हल करने के लिए सरकार ने नया प्लान, इस रूट पर जमीन पर बेहद सीमित जगह होने की वजह यात्रियों को तेजी से उनके गंतव्य स्थान तक पहुंचाने के लिए पॉड टैक्सी चलाने का निर्णय सरकार ने लिया गया है। पॉड टैक्सी के लिए कुर्ला रेलवे स्टेशन से बांद्रा रेलवे स्टेशन के बीच जमीन से २५ से ३० मीटर विशेष मार्ग तैयार किया जाएगा। मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरण के अनुसार, ८.८० किमी. लंबे पॉड टॅक्सी के मार्ग पर कुल ३८ स्टेशन होंगे। जमीन के ऊपर दौड़ने वाली टैक्सी में एक साथ छह यात्री सफर कर सकेंगे। यह टैक्सी ४० किमी. प्रति घंटे के हिसाब से दौड़ने में सक्षम है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अध्यक्षता में हुई बैठक में पॉड टैक्सी प्रॉजेक्ट को मंजूरी मिल गई है। इस प्रॉजेक्ट का निर्माण पब्लिक प्रायवेट पार्टनरशिप मोडल के तहत होगा। पॉड टैक्सी के संचालन के लिए कुर्ला के बांद्रा के बीच एलिवेटेड मार्ग तैयार किया जाएगा। यात्रियों के लिए हर कुछ मिनट के अंतर में हवाई टैक्सी की सेवा उपलब्ध होगी। एलिवेटेड मार्ग होने से आसमान में दौड़ने वाली पॉड टैक्सी सड़क मार्ग की तुलना में कम समय में अपने गंतव्य स्थान तक पहुंच सकेगी। छह यात्री पूरी टैक्सी बुक कर के भी बीच के किसी भी स्टेशन पर बिना रुके अपना सफर पूरा कर सकते है। पॉड टैक्सी कुर्ला रेलवे स्टेशन से मीठी नदी को पार करते हुए बीकेसी के जी ब्लॉक, ई–ब्लॉक के प्रमुख संस्थानों, के करीब से होते हुए कलानगर फिर वेस्टर्न रेलवे के बांद्रा रेलवे स्टेशन तक पहुंचेगी। देशी और विदेशी कई बड़ी कंपनियों और बैंक के मुख्यालय बीकेसी में है। रोजाना काम के सिलसिले में हजारों लोगों का बीकेसी आनाजाना होता है। इस प्रॉजेक्ट का लाभ यहां से गुजरने वाले अधिक से अधिक लोगों को मिल सकें, इसके लिए टैक्सी के स्टेशन बीकेसी कनेक्टर, एमसीए ग्राउंड, यूएस काउंसलेट और एनएसई जंक्शन के समीप होंगे। आसमान में पॉड टैक्सी दौड़ने की योजना तैयार बीकेसी से कुर्ला के बीच ट्रैफिक की समस्या कम करने के लिए पिछले कई सालों से सरकार प्रयास कर रही है। इसके लिए सड़क को चौड़ा किया गया.

भारत विकास परिषद का चुनाव हुआ संपन्न

मुंबई : भारत विकास परिषद मुंबई प्रान्त वर्ष २०२४–२५ का चुनाव दिनांक ९ मार्च को बोरीवली के अवरा होटल मे सम्पन्न हुआ। श्री दिलीप भट रिटर्निंग आफिसर की मौजूदगी से सर्वसम्मत से नई टीम का चुनाव किया गया । वर्ष २०२४–२५ के नये अध्यक्ष श्री मानकचंद डागा , महासचिव श्री नरेंद्र सिंह धबाबा सिंहध , एंव वितसचिव श्री संजय पोदार का चुनाव हुआ । हम इस नई भारत विकास परिषद मुंबई प्रान्त की टीम को हार्दिक बधाई एवम आने वाले वर्ष के लिए शुभ कामनाएँ देते है ।

फूंक से चलेगा डायबिटीज का पता : डायबिटीज टेस्ट के लिए खून के सैंपल की नहीं होगी जरूरत

मुंबई : डायबिटीज एक ऐसी लाइलाज बीमारी है, जिसमें खून में ग्लूकोज का लेवल अधिक होता है। यह तब होता है, जब शरीर इंसुलिन का उत्पादन या इंसुलिन का उपयोग नहीं कर पाता है। इंसुलिन एक हार्मोन है, जो शरीर में ग्लूकोज को एनर्जी के लिए उपयोग करने में मदद करता है। डायबिटीज से दिल की बीमारी, स्ट्रोक, गुर्दे की बीमारी, अंधापन या नसें डैमेज हो सकती हैं। ऐसे मरीजों के लिए राहत की खबर है। अब उन्हें सुई चुभोकर ब्लड सैंपल लेकर शुगर लेवल टेस्ट करने की जरूरत नहीं होगी, क्योंकि हिंदुस्थान में एक ऐसी तकनीक की खोज की गई है, जिसमें सिर्फ एक फूंक मारकर इसका पता चल जाएगा। डायबिटीज का पता लगाने के लिए ब्लड टेस्ट किया जाता है और खून में ग्लूकोज के लेवल को मापा जाता है। हालांकि, आईआईटी मंडी की एक नई डिवाइस तैयार की है, जिसकी मदद से डायबिटीज टेस्ट के लिए उंगुली से खून का सैंपल देने की जरूरत नहीं होगी। संदिग्ध मरीज गुब्बारे में हवा भरके शुगर का लेवल पता कर सकते हैं। इतना ही नहीं, ये डिवाइस हार्ट बीट, ब्लड प्रेशर और खून में ऑक्सीजन की मात्रा का पता लगा सकती है। आईआईटी मंडी के शोधार्थियों ने आर्टिफिशियल तकनीक से नॉन–इनवेसिव ग्लूकोमीटर नाम का नया डिवाइस बनाया है। यह बीमारी की जांच करके बेहतर परिणाम देता है। संदिग्ध मरीज गुब्बारे में हवा भरता है और फिर उसकी सांस को डिवाइस पर जांच के लिए लगाया जाता है। इसके बाद मरीज का शुगर लेवल पता चलता है। डिवाइस में आठ सेंसर लगाए गए हैं, जो मरीजों की सांस में पाए जाने वालेबोलेटाइल ऑर्गेनिक कंपाउंड का पता लगाकर डायबिटीज होने का पता लगाता है। आईआईटी की इस डिवाइस का हाल ही में बिलासपुर में स्थित एम्स के ५५० मरीजों पर किया गया। डिवाइस ने मरीजों के सांस के सैंपल और डेटा इकट्ठा किए, जिसके परिणाम बेहतर आए। शोधकर्ताओं के अनुसार, यह नई डिवाइस ९८ प्रतिशत कारगर साबित हुई। प्रोजेक्ट प्रमुख डॉ. वरुण दत्त ने बताया कि यह डिवाइस हेल्थ सेक्टर में कारगर साबित होगी। उन्होंने कहा कि इस डिवाइस को आसानी से कहीं भी ले जाया जा सकता है और भविष्य में यह ज्यादा बेहतर परिणाम देगी। फिलहाल, यह मल्टी सेंसर तकरीबन १६,००० रुपए में उपलब्ध होगा।

ठाणे महानगरपालिका का हुआ बजट पेश

जेकेएस संवाददाता

ठाणे : जमा और खर्च का हिसाब–किताब बिगड़ने से खराब वित्तीय परिस्थितियों से जूझ रही ठाणे मनपा के आयुक्त व प्रशासक अभिजीत बांगर ने कल ५,०२५ करोड़ रुपए का बजट पेश किया। इसमें स्वास्थ्य व्यवस्था महिला सशक्तिकरण, ट्रैफिक समस्या और पार्विंग व्यवस्था को सुधारने समेत कई मूलभूत सुविधाओं पर बल दिया गया है। प्रशासक बांगर ने दावा किया कि इस बार का बजट पूरी तरह से अनुशासित और कम खर्चीला है। इसके साथ ही महिलाओं, वरिष्ट नागरिकों और युवाओं के लिए कल्याणकारी योजनाओं पर जोर दिए जाने का भी दावा किया है। दूसरी तरफ यह चुनावी वर्ष है, इसलिए किसी कर–दर में बढ्रोतरी नहीं की गई है। इतना जरूर है कि लोगों को लुभाने के लिए इस बजट में सरकार की योजनाओं को जगह दी गई है। लेकिन दूसरी तरफ यह सवाल भी उठ रहा है कि जब ठाणे मनपा के पास पैसा ही नहीं है तो उसके द्वारा किए गए वादे वैंसे पूरे होंगे ? ठाणे मनपा पूरी तरह से सरकार पर निर्भर रहेगी, इसलिए योजनाएं समय पर पूरी होंगी इस पर संदेह जताया जा रहा है। साथ ही कर्ज में डूबी मनपा का बेड़ा क्या पार होगा, इस पर भी सबकी नजर होगी। ठाणे मनपा में गुरुवार को वित्त वर्ष २०२४–२५ के लिए राजस्व व्यय ३,३४५.६६ करोड़, पूंजीगत व्यय १,६७९ करोड़, अंतिम शेष ३५ लाख के साथ कुल ५,०२५.०१ करोड़ रुपए का अनुमानित बजट, जबकि साल २०२३–२४ के लिए ४३७० करोड़ का अंतरिम संशोधित बजट पेश किया गया। इस साल इसमें करीब ६५५ करोड़ रुपए की बढ्रोतरी देखी गई है। पिछले साल के बजट में जलापूर्ति, अग्निशमन, विज्ञापन, रियल इस्टेट आदि विभागों की आय में कमी के बावजूद नगर विकास विभाग की आय बढ़ी

है। इसलिए राजस्व आय ३,१६०.१६ करोड़ के स्थान पर ३,०९२.३९ करोड़ रुपए संशोधित कर दी गई है। इसके साथ ही मनपा द्वारा अपेक्षित ४६०.०५ करोड़ की सब्सिडी में ६९७.९८ करोड़ की बढ्रोतरी हुई है और संशोधित बजट में १,१५८.०३ करोड़ की सब्सिडी मिलने की उम्मीद की गई है। दिसंबर २०२३ के अंत में ९८९.२९ करोड़ की सब्सिडी प्राप्त हुई थी। प्राप्त अनुदान की अनुमानित राशि २०२३–२४ के प्रारंभिक शेष में शामिल है। व्यय में २०२३–२४ में राजस्व व्यय २७०८.८३ करोड़ रुपए होने की उम्मीद थी। संशोधित बजट में इसके २६७२.७९ करोड़ होने की उम्मीद है। इसी तरह पूंजीगत अनुदान में वृद्धि के कारण पूंजीगत व्यय १६६०.९१ करोड़ को संशोधित कर २०४९.४३ करोड़ कर दिया गया है। प्रॉपर्टी टैक्स से मनपा को साल २०२३–२४ में ७६१.७२ करोड़ की आय की उम्मीद थी। दिसंबर के अंत में ४८१.३६ करोड़ की आय होने से इस टैक्स से ७३८.७१ करोड़ रुपए संशोधित कर दिए गए हैं। इसकी वसूली के लिए छूट योजना भी लागू की गई। साल २०२४–२५ में प्रॉपर्टी टैक्स ८१९.७१ करोड़ मिलने का अनुमान है। साथ ही बढ़ी हुई मांग और बढ़े हुए राजस्व के आधार पर संपत्तियों का जीआईएस सर्वेक्षण और उसमें बढ्रोतरी, संपत्ति कर डेटा अन्य विभागों के डेटा के साथ तुलना कर सत्यापन करता है, जिससे डेटा में सुधार होता है और संपत्ति कर की मांग में वृद्धि होती है। जलापूर्ति विभाग को २२५ करोड़ की आय की उम्मीद थी। लेकिन सिर्फ ६३.७६ करोड़ की वसूली ही को सकी है। ऐसे में इस साल २२५ करोड़ की आय की उम्मीद की गई है। इस बार पानी के बिल की वसूली के लिए दंडात्मक कार्रवाई के साथ ही नल कनेक्शन काटने पर भी जोर दिया जाएगा। इसके अलावा अनधिकृत प्रॉपर्टी पर पेनल्टी लगाते हुए दोगुना टैक्स वसूल किया जाएगा। इसके अलावा फायर ब्रिगेड से १००.३ करोड़ रुपए, रियल एस्टेट विभाग से १२.१५ करोड़ रुपए, विज्ञापन शुल्क से २४.६२ करोड़ रुपए, सब्सिडी २८४.३२ करोड़ रुपए के आय मिलने की उम्मीद है। मनपा की वित्तीय स्थिति अभी भी सही तरीके से जनता के सामने नहीं आई है। मनपा के ऊपर आज भी ९३.६२ करोड़ का कर्ज है। इसी में केंद्र सरकार ने अमृत २ के तहत जलापूर्ति विस्तार के लिए ३२३ करोड़ रुपए की डीपीआर को मंजूरी दे दी है, जिसके तहत केंद्र सरकार की २५ प्रतिशत, राज्य सरकार की २५ प्रतिशत और मनपा की ५० प्रतिशत हिस्सेदारी होगी। मनपा ने अपने हिस्से की राशि को म्युनिसिपल बॉन्ड या कर्ज के माध्यम से बढ़ाने की योजना बनाई है।

रेलवे दिखावे में माहिर, जनसुविधाएं की गई लॉक! स्टेशन पर बने ममता कक्ष, दिव्यांग प्रसाधन और लेडी वॉशरूम पर लटके ताले

जेकेएस संवाददाता

मुंबई : रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों को किसी भी तरह की परेशानियां न हों इस बात को ध्यान में रखते हुए रेलवे स्टेशन पर महिला–पुरुष प्रसाधन और ममता कक्ष जैसी कई जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। अगर यात्रियों को प्रदान की जाने वाली इन सुविधाओं के दरवाजे को बंद करके ताला लगा दिया जाए तो फिर यात्री इन सुविधाओं के लिए कहां जाएंगे। ऐसा ही कुछ मुलुंड के रेलवे स्टेशन पर हो रहा है। जहां ममता कक्ष से लेकर दिव्यांग प्रसाधन तक के दरवाजे को बंद करके ताला लगा दिया गया है। मुलुंड रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर एक पर बने ममता कक्ष, दिव्यांग प्रसाधन, पिंक लेडी वॉशरूम और निर्भया कक्ष को बंद करके ताला लगाया गया है और आश्चर्य की बात यह है कि इन सभी के दरवाजे पर एक पोस्टर चिपकाया गया है जिस पर लिखा है कि इनकी चाबियां स्टेशन मास्टर के पास हैं। अब सवाल यह है कि क्या किसी यात्री को इमरजेंसी में इनमें से किसी भी चीज की सुविधा लेनी होगी तो वह पहले स्टेशन मास्टर के पास जाएगा और उन्हें

अपनी जरूरतें बताकर उसके हिसाब से चाबी लेनी होगी ? गौर करने वाली बात तो यह है कि इन सभी सुविधाओं का रखरखाव भी नहीं हो रहा है। इन सभी पर धूल–मिट्टियां जमी हैं साथ ही पेड़ों से गिरे पत्ते भी इकट्ठा पड़े हैं। इतना ही नहीं इनके कोने–कोने में पान–गुटखा के पीक के दाग भी देखने को मिल रहे हैं। निर्भया कक्ष की सीढ़ियों पर तो यात्रियों ने बैठना भी शुरु कर दिया है। एक अधिकारी ने इस बारे में बताया कि यह एक सही व्यवस्था है, इससे किसी भी प्रकार की अप्रिय घटनाएं नहीं घटेंगी और जिसे जिस सुविधा का लाभ लेना होगा वह जरुरत के हिसाब से स्टेशन मास्टर से उसकी चाभी ले सकता है। जब अधिकारी से कचरे और गंदगी के बारे में बात की गई तो उन्होंने बताया कि हम जल्द ही इस पर कार्रवाई करेंगे। यात्रियों से जब स्टेशन पर मिलने वाली इन सुविधाओं के बारे में पूछा गया तो यात्रियों ने कहा कि सीधी सी बात है जब किसी को अचानक इनमें से किसी की जरुरत पड़ेगी तो वह पहले स्टेशन मास्टर के पास इसकी चाबी लेने जाए तो ऐसी सुविधाओं का क्या फायदा ? यह गलत है।

अदानी फाउंडेशन के सहयोग से गार्डन हुआ निर्माण, आयुक्त काटकर ने किया शुभारंभ

जेकेएस संवाददाता

मीरारोड, मीरा भायंदर मनपा के सहयोग और अदानी फाउंडेशन के सीएसआर फंड से विकसित किया गया सावित्री बाई फुले उद्यान का लोकार्पण गुरुवार को मनपा आयुक्त व प्रशासक संजय श्रीपतराव काटकर ने किया. इस अवसर पर अदानी फाउंडेशन के सीईओ कपिल शर्मा, शहर अभियंता दीपक खांबित आदि उपस्थित थे. मनपा ने काशीमीरा के काशी गांव में जरीमरी तालाब के पास

स्थित खाली पडे.भूखंड को सीएसआर फंड से पार्क के रूप में विकसित करने का अनरोध अदानी इलेक्ट्रसिटी और फाउंडेशन से किया था. जिसे फाउंडेशन ने स्वीकार कर मनोरंजन के लिए १५ हजार वर्गफुट के इस उद्यान को सभी सुविधाओं से लैश विकसित किया गया है. जरीमरी माता के मंदिर का भी जीर्णोद्धार किया गया है. अदानी इलेक्ट्रसिटी के सीईओ शर्मा ने कहा कि उद्यान आम लोगों के स्वास्थ्य और तनमन को चुस्त रखने, व्यायाम करने और सुकून के पल बिताने के लिए एक शानदार जगह है. फाउंडेशन के सहयोग से लोगों के जीवन स्तर में सकारात्मक अंतर लाने के लिए चार साल से कार्य कर रहे हैं..

कोस्टल रोडऔर बांद्रा वर्ली सी लिंक को जोडऩे के लिए गर्डर्स बनाने का काम अंतिम चरण में

जेकेएस संवाददाता

मुंबई : मुंबईकरों के सफर को रफ्तार देनेवाली कोस्टल रोड जहां उद्घाटन के लिए तैयार है, वहीं अब कोस्टल रोड और बांद्रा–वर्ली सी–लिंक को जोड़ने के लिए गर्डर्स लगाने का काम अपने अंतिम चरण में पहुंच गया है। कोस्टल रोड और बांद्रा–वर्ली सी–लिंक को जोड़ने के लिए २,५०० टन वजनी देश का सबसे भारी गर्डर लगाया जाएगा। इससे १२० मीटर की दूरी जुड़ जाएगी और एक तरफ दो लेन बन जाएगी। इस तरह की जानकारी मनपा प्रशासन की ओर से दी गई है। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) पक्षप्रमुख उद्धव ठाकरे की संकल्पना के तहत मनपा की तैयार की जा रही महत्वाकांक्षी परियोजना का वर्तमान में ८६ प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। ३सुखद प्रवास, खुली सांस, ब्रीद शब्द वाले कोस्टल रोड में प्रिंसेस स्ट्रीट से वर्ली सी–लिंक तक कुल १०.५८ किमी लंबा मार्ग बनाया जा रहा है। कोस्टल रोड के कुल मार्ग में तीन आंतरिक बदलाव और चार वाहन पार्विंग का समावेश है। आंतरिक बदलाव की लंबाई १५.६६ किमी तक है। इस मार्ग में प्रियदर्शिनी पार्क से गिरगांव चौपाटी तक भूमिगत प्रत्येक में दो किमी लंबी और १२.२० मीटर व्यास वाली दो महाकाय सुरंगें हैं। इस परियोजना में पुल निर्माण के लिए देश का पहला सिंगल कॉलम फाउंडेशन और सकार्डो वेंटिलेशन सिस्टम लगाया गया है, वहीं अब इस परियोजना में पुल बनाने के लिए देश का सबसे वजनी गर्डर मार्च के अंत तक लगाया जाएगा। इस गर्डर को लगाने के बाद दो लेन का एक और गर्डर लगाया जाएगा। कोस्टल रोड परियोजना से ३४ प्रतिशत ईंधन और ७० प्रतिशत समय की बचत होगी। इस परियोजना में समुद्री दीवार बनाने में इस्तेमाल किए गए चार से पांच टन के विशाल पत्थर लहरों के प्रभाव को कम कर रहे हैं और पत्थरों में बनी गुहाएं समुद्री जीवन की रक्षा भी कर रहे हैं। इसका परिणाम देखने को मिला है और अब यह बात सामने आ रही है कि समुद्री जीवन का संरक्षण हो रहा है। परियोजना में प्रियदर्शिनी पार्क से वर्ली–सी फेस तक ७.५ किलोमीटर का फुटपाथ बनाया जाएगा। यह फुटपाथ २० मीटर चौड़ा होगा। इसमें एक साइकिल ट्रैक भी होगा। इस जगह पर पार्क और मैदान विकसित किए जाएंगे, जिसमें बटरफ्लाई पार्क भी शामिल होगा। इसमें स्लाइड, सी–सॉ बोर्ड, बच्चों के लिए झूले जैसी चीजें होंगी। अंडरग्राउंड पार्विंग की क्षमता अमर संस में २५६ वाहन, महालक्ष्मी मंदिर और हाजी अली में १,२०० वाहन और वर्ली सी–फेस पर ४०० वाहन होगी। इस रूट पर गति सीमा ८० से १०० किमी प्रति घंटा होगी। परियोजना में निर्मित सुरंगें न्यू ऑस्ट्रियन टनलिंग तकनीक से बनाई गई हैं .

मिरा - भाईंदर महानगरपालिका

स्व. इंदिरा गांधी भवन, मुख्य कार्यालय, छत्रपती शिवाजी महाराज मार्ग, भाईंदर (प.), जि. ठाणे ४०११०१, दुरध्वनी २८१९२८२८

मध्यवर्ती भांडार विभाग

जा.क्र. मनपा/मध्यवर्ती भांडार/३३२/२०२३–२४ दि.०४/०३/२०२४

//द्वितीय मुदतवाढ//

वरील विषयानुसार खालील कामांना दि. १४/०३/२०२४ रोजी दुपारी ३.०० वाजेपर्यंत तृतीय मुदतवाढ देण्यात यावी. सदरची निविदा दि. १५/०३/२०२४ रोजी दुपारी ३.०० वाजता उघडण्यात यावी.

अ.क्र.	निविदा क्र.	Bld count	नोटीस	कामाचे नाव	अंदाजित रक्कम
१	994352_1	0	305	मिरा भाईंदर महानगरपालिकेस दैनिक वृत्तपत्रे, साप्ताहिके, पाक्षिके, दिवाळी अंक व मासिके इ. पुरवठा करणे	10,00,000/-

सही/-
(रवि पवार)
उप-आयुक्त (मध्यवर्ती भांडार)
मिरा भाईंदर महानगरपालिका

जा. क्र. मनपा/मावज/ E-1586172/2023,24
दिनांक : ०६/०३/२०२४

हर्षोल्लास से मनाया गया जंजीरा धारावी किले का विजय दिवस

जेकेएस संवाददाता

भायंदर : उत्तन के जंजीरे धारावी किले का २८५वां 'विजय दिवस' बडे.ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। उस समय किले पर बडी संख्या में दुर्ग प्रेमी उमड.पडे.किले की रोशनी से पूरा क्षेत्र जगमगा उठा। वसई किले के ठीक सामने उत्तन के चौक इलाके में 'जंजीरे धारावी' किला है। यह किला चौक जेट्टी से गांव तक जाता है। इस किले का निर्माण चिमाजी अप्पा ने पुर्तगाली रसद को रोकने के लिए किया था। इस द्वीप को जीतने के लिए मराठों को आठ बार जीतने का प्रयास किया गया, लेकिन नौवीं बार सफलता मिली। इस युद्ध के बाद ६ मार्च, १७३९ को किले पर मराठों का कब्जा हो गया। इसलिए, इस दिन को प्रेमियों द्वारा विजय दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस वर्ष जंजीरे धारावी किला संरक्षण समिति द्वारा किले पर एक विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम की शुरूआत मां धारावी देव की आरती और किले पर चिमाजी अप्पा के स्मारकों पर पुष्पांजलि के साथ हुई। उसके बाद प्रसिद्ध लोक गायिका पूजा सावंत ने प्रस्तुति दी। और प्रतीक जाधव ने क्षेत्र को महाराष्ट्र के पारंपरिक गीतों की दावत दी। अंतिम समय में किले के प्रेमियों ने किले पर मशाल रैली निकाली और शहीदों को श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर विधायक गीता जैन, पूर्व विधायक नरेंद्र मेहता, हमारी वसई संस्था के ऋषिकेश वैद्य, पूर्व उपमहापौर हसमुख गहलोत, मनसे शहर अध्यक्ष संदीप राणे और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे, जंजीरे धारावी किला संरक्षण समिति के सचिव रोहित सुवर्ण ने इसकी जानकारी दी।

जनकल्याण सेवा की संपादक सीमा गुप्ता के साथ अशोक गायकवाड काशिमीरा पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक श्री राजेंद्र कांबले को शुभकामनाएं देते हुए चित्र में दिखाई दे रहे है.

नरेंद्र मेहता पर लगा इमारत हडपने का आरोप, तीन वर्षों में भी जांच अधूरी!

जेकेएस संवाददाता

भायंदर : मीरा-भायंदर के पूर्व भाजपा विधायक नरेंद्र मेहता से जुड़े एक जमीन के मामले में मुंबई हाई कोर्ट ने पुलिस को दो सप्ताह में प्रगति रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया है। असल में घोड़बंदर की एक इमारत हड़पने के आरोप में मेहता पर तीन साल पहले एफआईआर दर्ज हुई थी, पर अभी तक जांच पूरी नहीं हुई है। ऐसे में पुलिस की कार्यप्रणाली संदेह के घेरे में आ गई है। हाई कोर्ट ने इस मामले में कड़ी टिप्पणी की है। हाई कोर्ट ने मंगलवार को इस मामले में ठाणे पुलिस की ढुलमुल कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताई। यह मामला ठाणे में घोड़बंदर रोड पर एक इमारत के निर्माण से संबंधित है, जिसे कथित तौर पर मेहता ने हड़प लिया था और एफआईआर दर्ज होने के तीन साल बीत जाने के बावजूद पूर्व विधायक के खिलाफ पुलिस द्वारा कोई आरोप पत्र दायर नहीं किया गया। इस पर कोर्ट ने मंगलवार को ठाणे पुलिस को पूर्व भाजपा विधायक नरेंद्र मेहता के खिलाफ २०२१ में दर्ज इस मामले में निष्पक्ष जांच करने और दो सप्ताह में प्रगति रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया। इस दौरान मेहता द्वारा वरिष्ट पुलिस निरीक्षक को पुलिस थाने में केक खिलाए जाने का भी जिक्र हुआ। न्यायमूर्ति रेवती मोहिते-डेरे और न्यायमूर्ति मंजूषा देशपांडे की पीठ मीरा-भायंदर के एक व्यवसायी द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी। इस याचिका में जांच

को आगे बढ़ाने के लिए मामले को काशीमीरा पुलिस स्टेशन से मुंबई के किसी अन्य पुलिस स्टेशन या ईओडब्ल्यू में स्थानांतरित करने की मांग की गई है। सुनवाई के दौरान वकील यशोदीप देशमुख और विनोद सांगविकर ने अदालत के समक्ष कहा कि यह मामला ठाणे में घोड़बंदर रोड पर एक इमारत के निर्माण से संबंधित है, जिसे कथित तौर पर मेहता ने हड़प लिया था और एफआईआर दर्ज होने के बावजूद कोई आरोप पत्र दायर नहीं किया गया है। पीठ ने देखा कि एक आरोप पत्र दायर किया गया था, लेकिन मामले की जांच पुलिस द्वारा बंद नहीं की गई थी, इसलिए उसने विशेष लोक अभियोजक प्रदीप घरत से मामले में प्रगति के बारे में जानना चाहा। इस पर घरत ने कहा कि मामले में नए तथ्य और नए गवाह सामने आ रहे हैं, इसलिए पुलिस द्वारा बयान दर्ज किए जा रहे हैं। इस पर पीठ ने कहा, ४जांच निष्पक्ष और निष्पक्ष होनी चाहिए। हम केवल इसके बारे में चिंतित हैं और इसे कानून के अनुसार किया जाना चाहिए। हालांकि, देशमुख ने कहा कि पुलिस इस मामले की तीन साल से अधिक समय से जांच कर रही है, जो केवल भूमि लेन-देन से संबंधित है और अभी भी जांच पूरी नहीं कर पाई है। उन्होंने मीरा-भायंदर क्षेत्र के नवघर पुलिस स्टेशन के एक पुलिस अधिकारी को मेहता द्वारा केक खिलाने के बारे में एक वायरल सोशल मीडिया पोस्ट का भी उल्लेख किया और कहा, ४अधिकांश आरोपियों के खिलाफ पहले ही आरोप पत्र दायर किया जा चुका है, जबकि मेहता सहित दो लोगों की जांच में दो साल का समय लग चुका है। आरोपी पुलिस स्टेशन के अंदर वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक को केक खिलाता हुआ दिखाई दे रहा है। मुझे इस पुलिस पर क्या भरोसा होना चाहिए? इस पर न्यायाधीश ने कहा, ४मिस्टर काउंसिल, केक खिलाने का मतलब यह नहीं है कि जांच निष्पक्ष नहीं होगी। पीठ ने घरात को २१ मार्च को प्रगति रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया।

सरनाईक की कार्यशुलता से कुओं का पुनरुद्धार परियोजना शुरु

भायंदर: विधायक श्री प्रताप सरनाईक की अवधारणा और विशेष निधि के साथ, ओवला-मजीवाडा विधानसभा क्षेत्र में मीरा भायंदर में २४ कुओं का पुनरुद्धार परियोजना शुरू की गई थी ७ मार्च २०२४ को मीरा गावठान में दो कुओं, महाविष्णु मंदिर के पास एक कुआं और माशाचा पाडा, गगनगिरी, काशीमीरा में एक कुआं का भूमिपूजन, विधायक श्री. प्रताप सरनाईक साहब के शुभ हाथों से संपन्न हो गया. मीरारोड शहर की जनसंख्या दिन-ब-दिन तेजी से बढती जा रही है। नगर निगम की ओर से पानी की आपूर्ति अपर्याप्त है और अक्सर तकनीकी खराबी के कारण पानी बंद रहता है या नागरिकों को अप्रैल-मई में पानी की कटौती का सामना करना पडता है। ऐसे समय में नागरिकों को टैंकरों की मार झेलनी पडती है। इसलिए शहर के पुराने कुओं को पुनर्जीवित किया जाए, इन कुओं में पानी के प्राकृतिक स्रोतों को संरक्षित किया जाए, इस पानी को भविष्य में उपयोगी बनाने के लिए सभी कुओं की वैज्ञानिक तरीके से सफाई कर प्राकृतिक एवं पीने योग्य पानी तैयार करना जरूरी है। विधायक प्रताप सरनाईक की अवधारणा है. इसके लिए, वे राज्य सरकार से कुल रु. की निधि के लिए संपर्क कर रहे थे। अंत में विधायक श्री. प्रताप सरनाईक की मांग सफल हुई और श्री. मुख्यमंत्री श्री एकनाथजी शिंदे साहब ने निधि सहित इस कार्य को मंजूरी दे दी है। विधायक प्रताप सरनाईक ने कहा कि मीरा भायंदर शहर में २४ से अधिक कुओं की सफाई करके कुओं में प्राकृतिक जल स्रोतों को पुनर्जीवित करने के लिए कुल ५० करोड.रुपये की निधि स्वीकृत की गई है और नगर निगम द्वारा निविदा प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। कुएं १०० वर्ष पुराने हैं। कुछ स्थानों पर डेवलपर्स ने अपने काम के लिए कुएं खोद दिए हैं। कुछ स्थानों पर तो कुएं का उपयोग कूडाघर के रूप में किया जा रहा है। कुछ क्षेत्रों में मूर्ति विसर्जन के लिए कुओं का उपयोग किया जाता है। कुछ कुओं में मल-मूत्र छोडे.जाने से कुएँ प्रदूषित हो गये हैं। इनमें से अधिकतर कुएं गंदे हैं और पानी से बदबू आती है। पानी के ये प्राकृतिक स्रोत बंद होते जा रहे हैं। विधायक प्रताप सरनाईक ने कहा कि जल के महत्व को समझते हुए प्राकृतिक संसाधनों को संरक्षित करना और विभिन्न संरक्षण परियोजनाएं शुरू करना आवश्यक है। ओवला-माजीवाडा निर्वाचन क्षेत्र में मीरा भयंदर शहर के कुछ क्षेत्र आदिवासी क्षेत्र हैं और कई साल पहले जब कोई नगरपालिका जल योजना नहीं थी, तो लोग पीने के लिए इन कुओं का उपयोग करते थे। इसलिए अब फिर से वैज्ञानिक तरीके से कुओं की सफाई कर इस पानी को पीने लायक बनाने को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि इस पानी का उपयोग लोग पीने के लिए नहीं बल्कि अन्य दैनिक कार्यों के लिए कर सकते हैं. कुआं संरक्षण परियोजना में सभी कुओं की खुदाई और सफाई की जाएगी। चूंकि कुएं पानी के स्थानीय प्राकृतिक स्रोत हैं, इसलिए उनके जलस्रोतों को पुनर्जीवित किया जाएगा। यदि किसी कुएं से मलजल निकल रहा है तो उसे बंद कर दिया जाएगा। इसका मतलब है कि कुओं में जल प्रदूषण पूरी तरह से रोक दिया जाएगा और कुओं की दीवारों का पुनर्निर्माण किया जाएगा, प्लास्टर किया जाएगा और सुरक्षा के लिए ग्रिल लगाए जाएंगे। साथ ही इस कार्य की खासियत यह है कि कुओं के ऊपर जल शोधन संयंत्र लगाया जायेगा. यह मशीन पूरी तरह से सौर ऊर्जा से संचालित होगी। जल उपचार संयंत्र को इनलेट मापदंडों के आधार पर डिजाइन किया जाएगा। इस प्रणाली में रेत निस्पंदन की प्रक्रिया कार्बन निस्पंदन, अल्ट्रा निस्पंदन, यूवी है। सरनाईक ने कहा कि इस प्रणाली को शामिल किया गया है ताकि संभाग के नागरिकों को दैनिक उपभोग के लिए उपयुक्त पानी उपलब्ध हो सके। भविष्य में पानी की आवश्यकता बढती रहेगी और पानी के सभी प्राकृतिक स्रोतों को संरक्षित, संरक्षित और संरक्षित करना हमारा काम है। इस प्रयोजन के लिए, भविष्य की आवश्यकता को पहचानते हुए, यह संरक्षण परियोजना मेरे ओवला-मजीवाडा विधानसभा क्षेत्र में शुरू की गई है। इन कुओं में सुरक्षात्मक जाल भी लगाए जाएंगे। विधायक सरनाईक ने यह भी कहा कि कोई भी इसमें कचरा नहीं फेंकेगा और न ही पानी को प्रदूषित करेगा.

इस अवसर पर जिला प्रमुख राजू भोईर. जिला संगठक निशा नार्वेकर, १४६ ओवला माजीवाडा विधानसभा क्षेत्र प्रमुख श्री. सचिन मांजरेकर, मीरा भायंदर शहर १४५ विधानसभा क्षेत्र प्रमुख श्री. विक्रम प्रताप सिंह, १४६ ओवला मजीवाडा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र मीरा भायंदर शहर शिव सेना महिला संगठक श्रीमती पूजा हरिश्चंद्र आमगांवकर, उपजिला प्रमुख भायंदर पूर्व श्री. विकास पाटिल, उपजिला प्रमुख भायंदर पश्चिम श्री. पप्पू भिसे उपजिला प्रमुख - कश्मीरी, राजमार्ग विभाग श्री - राम भवन शर्मा, युवासेना ठाणे पालघर इंस्पेक्टर श्री. स्वराज पाटिल, पूर्व पार्षद संध्या पाटिल, पूर्व संवाददाता वंदना पाटिल, उपमहापौर एड बाबासाहेब बंदे, उपमहापौर कमलाकर पाटिल, उपमहापौर राजू पाटिल, उपमहापौर शिवाजी पानमंद, उपमहापौर गीता रॉय, शहर समन्वयक प.सं. संगीता खुने एवं महिला एवं पुरूष गठबंधन के पदाधिकारी, शिवसैनिक उपस्थित थे।

महानगरपालिका की वर्षगांठ पर कई सांस्कृकितक कार्यक्रमों की प्रस्तुती

भाईंदर: मीरा भायंदर नगर निगम की वर्षगांठ के अवसर पर जल्लोश २०२४ नामक एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पालिका आयुक्त ने नगर निगम के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को इस वर्षगांठ तथा महिलाओं को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनाएं दीं। सबसे पहले इस मांगलिक कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्ज्वलित कर की गई। उसके बाद आयुक्त द्वारा सेवानिवृत्त शिक्षकों को ७वें वेतन आयोग के अनुसार पेंशन का चेक दिया गया। इसके अलावा २८ फरवरी २०२४ को घायल फायरमैन शिवाजी सावंत काम करते समय अग्नि दुर्घटना में घायल हो गए थे. उन्हें ५१,०००/- नकद, फायर ब्रिगेड के संदेश पाटिल को २१,०००/- नकद और एक सम्मान पदक। वहीं, मीरा भायंदर नगर अग्निशमन विभाग के अधिकारियों, मुंबई, ठाणे और वसई विरार फायर ब्रिगेड के अधिकारियों और कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया। उक्त सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरूआत महाराष्ट्र राज्य गीत से की गई। उसके बाद महाराष्ट्र राज्य की संस्कृति को संरक्षित करने के लिए विभिन्न लोक गीत, भक्ति गीत, कोली नृत्य, कोली गीत, लावणी, देशभक्ति गीतों पर नृत्य आदि का आयोजन किया गया। इन सभी सांस्कृतिक नृत्य एवं गायन कार्यक्रमों में नगर निगम के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। इस अच्छे कार्यक्रम के लिए आयुक्त ने सभी की सराहना की। इस मौके पर अतिरिक्त आयुक्त अनिकेत मनोरकर, उपायुक्त (मुख्यालय) मारुति गायकवाड, उपायुक्त संजय शिद, उपायुक्त रवि पवार, उपायुक्त कल्पिता पिंपले, शहर अभियंता दीपक खाम्बित के साथ नगर निगम विभाग के प्रमुख, अधिकारी और कर्मचारी बडी संख्या में उपस्थित थे।

सई सचिन रांजणे को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं

शुभेच्छुक : मम्मी, पप्पा, आई आजी, शौया भाऊ, बाबा, गणेश मामा, राजा, मावशी चित्रा, मनिषा, दिपा मामी, परी, हरदय, विहान, साई

मिस एण्ड मिसेज मीरा भाईंदर की ऑर्गनायझेशन पार्टी का आयोजन, राकेश शाह और उसकी टीम ने सभी का अवार्ड देकर सत्कार किया गया.

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक-मुद्रक सीमा गुप्ता के लिए (प्रिंटींग) सागर प्रिंट एंड प्रोसेस, प्रगती इंडस्ट्रीयल, एन.एम. जोशी मार्ग, लोअर परेल (पूर्व), मुंबई - ४०००११ से मुद्रित १०१, १ला माला सेक्टर ११ सी-२८, टी.एम.टी. बस स्टॉप के पीछे, शांतिनगर, मीरारोड (पूर्व), जिला थाना ४०११०७ (महाराष्ट्र) से प्रकाशित संपादक - सीमा गुप्ता, सलाहकार : सुधाकर डी., पी.आर.बी अधिनियम के अंतर्गत समाचारों के चन के लिए उत्तरदायी है। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र केवल जिला थाना रहेगा।
RNI NO. MAHHIN/2004/17839 Mob.No.9757262120 Email :newsjankalyanseva@gmail.com Jankalyan Seva GST No. 27AGUPG9011BIZI